Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding increasing incidents of leopard attacks in Uttarakhand

श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल): महोदय, मैं उत्तराखंड राज्य में तेंदुए के हमलों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। पहाड़ी राज्य में, सर्दियों में तेंदुए के हमले बढ़ जाते हैं। अब तक, राज्य में मानव-पशु संघर्ष में 50 लोगों की मौत की सूचना मिली है। हर साल अनुमानित 70 प्रतिशत हमले तेंदुए के हमलों के कारण होते हैं। अब जंगलों से सटे गांवों में रहना असुरक्षित हो गया है। स्थिति दिन-ब-दिन बद से बदतर होती जा रही है और गांव वाले बच्चों, बुजुर्गों या विकलांगों का शिकार करने वाले तेंदुए को लेकर चिंतित हैं। महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक असुरक्षित हैं और वे ही ज्यादातर तेंदुए के हमलों का शिकार होते हैं।

पौड़ी जिले के पोखड़ा और एकेश्वर ब्लॉक तेंदुए के हमले से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं और पौड़ी के मंझगांव, भरतपुर और डबरा गांव पूरी तरह से खाली हैं। वहीं रुद्रप्रयाग जनपद के जखोली ब्लॉक एवं बस्ता ग्राम रुद्रप्रयाग वन प्रमंडल में भी घटनाएं घटित हुई हैं। इन इलाकों में तेंदुए के हमले की आशंका से खेती भी प्रभावित हो रही है।

मैं भारत सरकार से आग्रह करता हूं कि राज्य में अन्य बाड़ वाले वन क्षेत्रों में तेंदुओं को पकड़ने और स्थानांतरित करने के लिए तत्काल ठोस कदम उठाए जाएं ताकि उत्तराखंड के लोगों पर तेंदुओं के हमलों को कम किया जा सके।